प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **22 दिसंबर / December, 2020**

सिडबी द्वारा दिव्यांग जनों को स्वावलंबी बनाने के लिए समर्थन

SIDBI facilitates differently abled to emerge as Swavalambis

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न देश की प्रमुख वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने दिव्यांग जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम अंग और सड़क-ठेला-गाड़ियों की मदद देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए श्री गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट (एसजीसीटी), आंध्रा प्रदेश के साथ साझेदारी की है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the country's principal financial institution for the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), partners with Shri Gurudeva Charitable Trust (SGCT), Andhra Pradesh to help needy differently abled become Swavalambis (Entrepreneurs) by providing them with artificial limbs and street vending carts.

इस कार्यक्रम का पहला चरण "विकलांग जनों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस" के अवसर पर शुरू हुआ, जिसमें सिडबी द्वारा एसजीसीटी के माध्यम से 50 दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग, सड़क-ठेला-गाड़ियां और अन्य उपकरण उपलब्ध कराए गए। इस प्रकार इन दिव्यांग जनों ने एक ही दिन अपनी स्वावलंबन यात्रा शुरू की। उक्त कार्यक्रम के आज सम्पन्न हुए दूसरे चरण में, 50 से अधिक जरूरतमंद दिव्यांग जनों को सड़क-ठेला-गाड़ियां, कृत्रिम अंग, पोलियो कैलिपर, चक्कोंवाली कुर्सियाँ, तिपहिया साइकलें आदि प्रदान किए गए। इसके साथ ही 100 से अधिक जरूरतमंदों दिव्यांग जनों को इस सहायता का लाभ प्रदान किया गया ताकि वे खुद के पैरों पर खड़े होकर अपनी रोजी खुद कमा सकें।

The first phase of this program commenced on the occasion of "International Day of Disabled Persons" where artificial limbs, street vending carts and other appliances were provided by SIDBI to 50 differently abled via SGCT. These differently abled started their Swavalamban journey on the same day. In the second phase of the said programme held today, 50 more needy differently abled were provided with street vending carts, artificial limbs, polio calipers, wheel chairs, tricycles etc. With this, 100 needy differently abled were benefitted with necessary support to stand on their own feet and earn their own bread.

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वसंतराव सत्य वेंकटराव ने कहा कि "एक उत्तरदायी विकास संस्थान के रूप में सिडबी हमेशा से युवाओं, असेवितों, अल्पसेवितों, निधि-वंचितों आदि के लिए आजीविका के मार्गों पर जोर देता आ रहा है। उन्होंने इस बात पर भी संतोष व्यक्त किया कि इस समर्थन से दिव्यांग जन न केवल आत्मनिर्भर होंगे अपितु भविष्य में वे कौशल / कौशल-उन्नयन भी प्राप्त कर सकेंगे। श्री राव ने एसजीसीटी द्वारा दिव्यांगों को स्वावलंबी बनाकर उनके जीवन में चमक बिखेरने के इस कार्य की भी मुक्त-कंठ से सराहना की।"

Shri Vasantharao Satya Venkatarao, Deputy Managing Director of SIDBI, who participated as Chief Guest for the programme, said, "As a responsive development institution, SIDBI has always been laying thrust on livelihood avenues for youth, unserved, underserved, unfunded and so on. He also expressed his satisfaction that with this support the differently abled will not only be self-reliant but also can go for reskilling/up skilling in future. Shri Rao also applauded the work of SGCT for bringing spark to the lives of differently abled by making them Swavalambis."

इस अवसर पर, एसजीसीटी के अध्यक्ष श्री आर जगदीश कुमार ने सिडबी को उसके अनुकूलित समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जिसने न केवल कृत्रिम अंग की प्राप्ति को सुनिश्चित किया अपितु इन दिव्यांग जनों को एक स्वावलंबी के रूप में विकसित होने के लिए सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन एक स्थायी विकल्प है और एसजीसीटी देश के विभिन्न हिस्सों में इस सेवा को विस्तारित करना चाहेगा।

On this occasion Shri R Jagadeesh Kumar, Chairman, SGCT thanked SIDBI for its customised support which ensured not only artificial limbs but also enabled evolving of these differently abled as Swavalambis. He expressed that Swavalamban is a sustainable option and SGCT would like to extend this service to different parts of the country.

सिडबी के बारे में : 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे वे पारंपरिक, छोटे घरेलू उद्यमी हों, पिरामिड के सबसे निचले स्तर के उद्यमी हों, या फिर उच्च-स्तरीय ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को विभिन्न ऋणों तथा विकास कार्यों के माध्यम से प्रभावित किया है।

अधिक जानने के लिए, देखें : https://www.sidbi.in

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in